हिंदी काव्य साहित्य का विकास

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. हिन्दी साहित्य के आदिकाल के लिए 'सिद्ध सामन्तकाल' नाम दिया है—

(अ) राहुल सांकृत्यायन ने (ब) रामचन्द्र शुक्ल ने
(स) रामकुमार वर्मा ने (द) डॉ० नगेन्द्र ने।

2. वीरगाथाकाल की विशेषता है—

(अ) नारी का रूप-सौन्दर्य चित्रण
(ब) प्रकृति-चित्रण
(स) युद्धों का सजीव चित्रण
(द) मुक्तक काव्य।

modelpaper.info

3. आदिकाल का वीरगाथाकाल नामकरण किया—

(अ) हजारीप्रसाद द्विवेदी ने (ब) डॉ० रामकुमार वर्मा ने
(स) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने (द) मिश्रबन्धु ने।

4. मैथिलीशरण गुप्त की रचना में राष्ट्रप्रेम की भावना परिलक्षित होती है—

(अ) भारत भारती में (ब) जयद्रथवध में
(स) साकेत में (द) पंचवटी में।

5. 'सूरसागर' के वर्ण्य-विषय का आधार है—

(अ) श्रीमद्भागवत (ब) विष्णुपुराण
(स) केनोपनिषद् (द) मनुस्मृति।

6. 'लहर' के रचनाकार हैं—

(अ) जयशंकरप्रसाद (ब) गिरिजाकुमार माथुर
(स) हरिवंशराय बच्चन (द) सुमित्रानन्दन पन्त।

7. 'परमाल रासो' किस काल की रचना है—

(अ) आदिकाल (ब) भक्तिकाल
(स) रीतिकाल (द) आधुनिककाल।

8. निम्नलिखित में से 'पृथ्वीराज रासो' के रचनाकार कौन हैं—

अथवा 'पृथ्वीराज रासो' की रचना किस व्यक्ति ने की—
अथवा 'पृथ्वीराज रासो' रचना है—

(अ) जायसी (ब) मंझन
(स) कुतुबन (द) चन्दबरदाई।

9. 'पृथ्वीराज रासो' का रचनाकाल है—

(अ) वीरगाथाकाल (ब) भक्तिकाल
(स) रीतिकाल (द) आधुनिककाल।

10. वीरगाथाकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों में से निम्नलिखित कौन-सी प्रवृत्ति सही नहीं है—

(अ) युद्धों का सजीव वर्णन (ब) राष्ट्रीयता की भावना
(स) आश्रयदाताओं की प्रशंसा (द) कल्पना की प्रचुरता।

11. 'बीसलदेव रासो' के रचयिता हैं—

(अ) देवसेन (ब) नरपति नाल्ह
(स) विजयसेन सूरि (द) जिनदत्त सूरि।

12. 'परमाल रासो' के रचयिता हैं—

(अ) नरपति नाल्ह (ब) दलपति विजय
(स) भट्टकेदार (द) जगनिक।

13. 'अमीर खुसरो' कवि हैं—

(अ) आदिकाल के (ब) भक्तिकाल के
(स) रीतिकाल के (द) आधुनिककाल के।

14. आदिकाल का ग्रन्थ नहीं है—

(अ) कीर्तिलता (ब) बीसलदेव रासो
(स) आल्हखण्ड (द) पद्मावत।

modelpaper.info

15. 'जयमयंक-जस-चन्द्रिका' के रचयिता हैं—

(अ) भट्टकेदार (ब) नरपति नाल्ह
(स) मधुकर कवि (द) विद्यापति।

16. 'आल्हखण्ड' का दूसरा नाम है—

(अ) बीसलदेव रासो (ब) परमाल रासो
(स) खुमान रासो (द) हम्मीर रासो।

17. आदिकाल का एक अन्य नाम है—

(अ) स्वर्ण-युग (ब) सिद्ध-सामन्तकाल
(स) शृंगारकाल (द) भक्तिकाल।

18. 'खुमान रासो' किसकी रचना है—
अथवा 'खुमान रासो' के रचयिता हैं—

(अ) जगनिक (ब) नरपति नाल्ह
(स) दलपति विजय (द) भट्टकेदार।

19. वीरगाथाकाल के कवि हैं—

(अ) भूषण (ब) विहारीलाल
(स) केशव (द) चन्दवरदाई।

20. 'आदिकाल' के रचनाकार हैं—

(अ) नरपति नाल्ह (ब) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(स) केशवदास (द) नाभादास।

21. हिन्दी साहित्य का 'प्रथम कवि' माना जाता है—
अथवा हिन्दी के प्रथम कवि के रूप में मान्य हैं—

(अ) गोरखनाथ (ब) चन्दबरदाई
(स) जगनिक (द) सरहपा।

22. चन्दबरदाई की रचना है—

(अ) पृथ्वीराज रासो (ब) खुमान रासो
(स) 'राउल वेल' (द) जयमयंक-जस-चन्द्रिका।

23. हिन्दी-साहित्य के 'आदिकाल' के लिए 'बीजवपनकाल' नाम दिया है—
(अ) रामचन्द्र शुक्ल ने
(ब) डॉ० रामकुमार वर्मा ने
(स) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी ने
(द) डॉ० मोहन अवस्थी ने।

24. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है—
अथवा निम्नलिखित में से अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा लिखित महाकाव्यात्मक रचना है—
(अ) वैदेही वनवास (ब) यशोधरा
(स) लहर (द) गुंजन।

25. हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है—
(अ) खुमान रासो (ब) साहित्यलहरी
(स) पृथ्वीराज रासो (द) साकेत।

26. निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रन्थ आदिकाल का है—
(अ) श्रीरामचरितमानस (ब) पद्मावत
(स) पृथ्वीराज रासो (द) कार्मायनी।

27. रामधारीसिंह 'दिनकर' को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था—
(अ) 'रेणुका' पर (ब) 'रसवन्ती' पर
(स) 'उर्वशी' पर (द) 'सामधेनी' पर।

28. आदिकाल की रचना है—
(अ) अखरावट (ब) खुमान रासो
(स) छत्रसाल-दशक (द) दीपशिखा।

29. हिन्दी का आदिकाव्य है—
(अ) बीसलदेव रासो (ब) कवित्त रत्नाकर
(स) रामचन्द्रिका (द) साखी।

30. "भाषा पर कबीर का जबरदस्त अधिकार था। वे वाणी के डिक्टेटर थे।" प्रस्तुत कथन निम्नांकित लेखकों में से किस लेखक का है—
अथवा "कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं।" कथन है—
(अ) नन्ददुलारे वाजपेयी (ब) रामचन्द्र शुक्ल
(स) हजारीप्रसाद द्विवेदी (द) रामविलास शर्मा।

modelpaper.info

31. "हिन्दी-साहित्य के हजार वर्षों में कबीर जैसा व्यक्तित्व लेकर कोई लेखक उत्पन्न नहीं हुआ।" यह कथन है—
(अ) रामचन्द्र शुक्ल का (ब) डॉ० रामकुमार वर्मा का
(स) डॉ० नगेन्द्र का (द) हजारीप्रसाद द्विवेदी का।

32. निम्नलिखित में से कौन भक्तिकाल का महाकाव्य है—
(अ) साकेत (ब) श्रीरामचरितमानस
(स) कामायनी (द) पृथ्वीराज रासो।

33. रामचन्द्र शुक्ल ने 'मध्यकाल' का समय माना है—
अथवा 'भक्तिकाल' का समय आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने माना है—
(अ) सं० 1050 से सं० 1700 तक
(ब) सं० 1218 से सं० 1800 तक
(स) सं० 1375 से सं० 1700 तक
(द) सं० 1100 से सं० 1900 तक।

34. कविता में चार चाँद लगानेवाली शक्ति है—
(अ) अभिधा (ब) लक्षणा
(स) व्यंजना (द) तात्पर्या।

35. हिन्दी-साहित्य में किस काल को 'शृंगारकाल' कहा जाता है—
(अ) आदिकाल (ब) भक्तिकाल
(स) रीतिकाल (द) आधुनिककाल।

36. महाकवि भूषण की रचना है—
(अ) रेणुका (ब) चिदम्बरा
(स) दीपशिखा (द) छत्रसाल-दशक।

37. कौन-सी रचना भूषण की नहीं है—
(अ) शिवा बावनी (ब) छत्रसाल दशक
(स) शिवराज भूषण (द) रामचन्द्रिका।

38. हिन्दी-साहित्य के आदिकाल के लिए 'चारण-काल' नाम दिया है—
(अ) राहुल सांकृत्यायन ने (ब) रामचन्द्र शुक्ल ने
(स) रामकुमार वर्मा ने (द) डॉ० नगेन्द्र ने।

39. अग्रदास किस काव्यधारा के कवि हैं—
(अ) कृष्ण काव्यधारा के (ब) सूफी काव्यधारा के
(स) वीर काव्यधारा के (द) राम काव्यधारा के।

40. मैथिलीशरण गुप्त किस युग के कवि हैं—
(अ) शुक्ल युग (ब) द्विवेदी युग
(स) छायावादी युग (द) छायावादोत्तर युग।

41. निम्नलिखित में कौन प्रेमाश्रयी शाखा के कवि नहीं हैं—
(अ) जायसी (ब) सूरदास
(स) मंझन (द) कुतुबन।

42. 'धर्म के प्रति अनास्था' तथा 'शोषक वर्ग के प्रति घृणा' प्रमुख विशेषता है—
(अ) छायावाद की (ब) प्रगतिवाद की
(स) प्रयोगवाद की (द) नयी कविता की।

43. निम्नलिखित में से कौन प्रेमाश्रयी शाखा के कवि नहीं हैं—
(अ) जायसी (ब) सूरदास/चन्दवरदाई/विहारीलाल
(स) मंझन (द) कुतुबन।

44. ज्ञानाश्रयी काव्यधारा के कवि नहीं हैं—
(अ) कबीरदास (ब) मलूकदास
(स) नन्ददास (द) रैदास।

modelpaper.info

45. ज्ञानाश्रयी भक्तिशाखा के प्रतिनिधि कवि हैं—
अथवा ज्ञानमार्गी शाखा के कवि हैं—
अथवा 'ज्ञानाश्रयी शाखा' के प्रमुख कवि हैं—
(अ) तुलसीदास (ब) सूरदास
(स) बिहारी (द) कबीरदास।

46. कबीर के गुरु का नाम था—
(अ) वल्लभाचार्य (ब) नरहरिदास
(स) रामानन्द (द) रामकृष्ण परमहंस।

47. कबीर के दोहों को नाम से जाना जाता है—
(अ) दूहा (ब) सबद
(स) साखी (द) पद।

48. 'विद्यापति' कवि हैं—
(अ) भक्तिकाल के (ब) रीतिकाल के
(स) आदिकाल के (द) आधुनिककाल के।

49. 'कीर्तिलता' के रचनाकार हैं—
(अ) शारंगधर (ब) दलपति
(स) जगनिक (द) विद्यापति।

50. 'अष्टछाप' के कवि नहीं हैं—
(अ) परमानन्ददास (ब) गोविन्द स्वामी
(स) ईश्वरदास (द) नन्ददास।

51. अष्टछाप के कवि नहीं हैं—
(अ) सूरदास (ब) कुम्भनदास
(स) तुलसीदास (द) कृष्णदास।

52. 'शृंगार' और 'वात्सल्य' रस के अमर कवि हैं—
(अ) बिहारी (ब) गोस्वामी तुलसीदास
(स) सूरदास (द) घनानन्द।

53. 'अष्टछाप' के कवियों का सम्बन्ध है, भक्तिकाल की—
(अ) ज्ञानाश्रयी शाखा से (ब) प्रेमाश्रयी शाखा से
(स) कृष्णभक्ति शाखा से (द) रामभक्ति शाखा से।

54. सन्त काव्यधारा के कवि नहीं हैं—
(अ) कबीर (ब) रैदास
(स) कुतुबन (द) दादू दयाल।

55. 'प्रेमाश्रयी सूफी काव्यधारा' का सम्बन्ध किससे है—
(अ) कृष्णभक्ति (ब) सगुण भक्ति
(स) निर्गुण भक्ति (द) रामभक्ति।

56. भक्तिकाल की प्रेमाश्रयी शाखा के कवि हैं—
(अ) कुम्भनदास (ब) दादूदयाल
(स) मंझन (द) नन्ददास।

57. 'बीजक' रचनाओं का संकलन है—
(अ) मंझन (ब) गुरुनानक
(स) रामानन्द (द) कबीर।

58. प्रेमाश्रयी भक्तिशाखा के प्रतिनिधि कवि हैं—
अथवा सूफी काव्यधारा के कवि हैं—
(अ) बिहारी (ब) तुलसीदास
(स) नाभादास (द) जायसी।

59. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति भक्तिकाल की है—
(अ) आँगन के पार-द्वार (ब) कुरुक्षेत्र
(स) श्रीरामचरितमानस (द) पंचवटी।

60. निम्नलिखित में से कौन-सा कवि 'कृष्णभक्ति' धारा से सम्बन्धित नहीं है—
(अ) सूरदास (ब) नाभादास
(स) कृष्णदास (द) नन्ददास।

modelpaper.info

61. रामभक्तिशाखा से सम्बन्धित हैं—
(अ) कुम्भनदास (ब) परमानन्ददास
(स) नाभादास (द) चतुर्भुजदास।

62. कृष्णभक्तिशाखा से सम्बन्धित हैं—
(अ) अग्रदास (ब) नन्ददास
(स) ईश्वरदास (द) नाभादास।

63. निम्नलिखित में से 'कवितावली' के रचनाकार कौन हैं—
(अ) सूरदास (ब) भूषण
(स) तुलसीदास (द) कबीरदास।

64. निम्नलिखित में से कौन-सा कवि रामभक्तिशाखा से सम्बन्धित नहीं है—
(अ) तुलसीदास (ब) नन्ददास
(स) अग्रदास (द) नाभादास।

65. 'साहित्यलहरी' रचना है—
अथवा 'साहित्यलहरी' के रचनाकार/रचयिता हैं—
(अ) कबीर (ब) तुलसीदास
(स) सूरदास (द) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

66. 'रसमंजरी' के रचनाकार हैं—
(अ) कुम्भनदास (ब) अग्रदास
(स) नन्ददास (द) हृदयराम।

67. कृष्णभक्तिशाखा के प्रतिनिधि कवि हैं—
(अ) कबीरदास (ब) सूरदास
(स) रैदास (द) नाभादास।

68. जायसी का पद्मावत किस भाषा में लिखा गया है—
(अ) ब्रजभाषा (ब) अवधी
(स) खड़ीबोली (द) फारसी।

69. 'महाभारत' के 'शान्तिपर्व' के कथानक पर आधारित 'दिनकर' की काव्यकृति है—
(अ) रेणुका (ब) कुरुक्षेत्र
(स) सामधेनी (द) हारे को हरिनाम।

70. छायावादोत्तर काल के कवि हैं—
(अ) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
(ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(स) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(द) मैथिलीशरण गुप्त।

71. निम्नलिखित में से रीतिकालीन कवि कौन-सा है—
(अ) मीराबाई (ब) रसखान
(स) घनानन्द (द) मैथिलीशरण गुप्त।

72. निम्नांकित में रामभक्तिशाखा के कवि कौन नहीं हैं—
(अ) तुलसीदास (ब) चतुर्भुजदास
(स) अग्रदास (द) नाभादास।

73. गोस्वामी तुलसीदास के बचपन का नाम था—
(अ) तुकाराम (ब) आत्माराम
(स) सीताराम (द) रामबोला।

74. 'सूकर खेत' नामक स्थान सम्बन्धित है—
(अ) कबीरदास से (ब) नन्ददास से
(स) तुलसीदास से (द) सूरदास से।

75. 'विनयपत्रिका' किस काल की रचना है—
(अ) आदिकाल (ब) भक्तिकाल
(स) रीतिकाल (द) आधुनिककाल।

76. गोस्वामी तुलसीदास रचित 'विनयपत्रिका' की भाषा है—
अथवा 'विनयपत्रिका' किस भाषा की कृति है—
(अ) अवधी (ब) मैथिली
(स) ब्रज (द) खड़ीबोली।

modelpaper.info

77. विनयपत्रिका के रचयिता/रचनाकार हैं—
(अ) तुलसीदास (ब) अग्रदास
(स) नाभादास (द) चतुर्भुजदास।

78. तुलसीदास की रचना नहीं है—
(अ) रामलला नहछू (ब) पार्वती-मंगल
(स) कवितावली (द) रामचन्द्रिका।

79. निम्नलिखित में से भक्तिकालीन कवि कौन हैं—
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) कुम्भनदास
(स) हरिऔध (द) महादेवी वर्मा।

80. निम्न में से किन्हें 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' नहीं मिला—
(अ) जयशंकरप्रसाद को (ब) महादेवी वर्मा को
(स) सुमित्रानन्दन पन्त को (द) रामधारीसिंह 'दिनकर' को।

81. जयशंकरप्रसाद द्वारा ब्रजभाषा में रचित काव्य-संग्रह है—
(अ) चित्राधार (ब) कामायनी
(स) लहर (द) आँसू।

82. 'भक्ति आन्दोलन' का श्रेय जाता है—
(अ) वल्लभाचार्य को (ब) शंकराचार्य को
(स) रामानुजाचार्य को (द) निम्बार्काचार्य को।

83. हिन्दी-साहित्य के किस काल को 'पूर्व मध्यकाल' कहा जाता है—
(अ) आदिकाल (ब) भक्तिकाल
(स) रीतिकाल (द) आधुनिकाल।

84. अमीर खुसरो की रचना है—
(अ) राउलवेल (ब) खालिक बारी
(स) पाहुड दोहा (द) भविष्यत्कहा।

85. कृष्ण काव्यधारा के कवि नहीं हैं—
(अ) नन्ददास (ब) चतुर्भुजदास
(स) सूरदास (द) लालदास।

86. निम्नलिखित में कृष्णभक्ति शाखा के कवि नहीं हैं—
(अ) सूरदास (ब) नन्ददास
(स) नाभादास (द) रसखान।

87. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना भक्तिकाल में लिखी गई है—
(अ) कामायनी (ब) साहित्यलहरी
(स) भारत भारती (द) उद्धव शतक।

88. हिन्दी-साहित्य के इतिहास में निम्नलिखित में से किस काल को 'स्वर्णयुग' कहा जाता है—
अथवा हिन्दी साहित्य में किस काल को 'स्वर्ण युग' कहा जाता है–
(अ) रीतिकाल (ब) आदिकाल
(स) भक्तिकाल (द) आधुनिककाल।

89. निम्नलिखित में से कौन प्रेमाश्रयी शाखा के कवि नहीं हैं—
(अ) जायसी (ब) मंझन
(स) नन्ददास (द) कुतुबन।

90. 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना कब हुई—
अथवा प्रगतिशील लेखक संघ का प्रथम अधिवेशन हुआ था—
(अ) सन् 1943 ई० में (ब) सन् 1954 ई० में
(स) सन् 1938 ई० में (द) सन् 1936 ई० में।

91. निम्नलिखित में से किस पुस्तक के रचनाकार जयशंकरप्रसाद हैं—
(अ) झरना (ब) दीपशिखा
(स) द्रौपदी (द) उर्वशी।

modelpaper.info

92. 'उर्वशी' के रचनाकार हैं—
(अ) जयशंकरप्रसाद (ब) रामधारीसिंह 'दिनकर'
(स) सूरदास (द) महादेवी वर्मा।

93. रामधारीसिंह 'दिनकर' किस काव्यधारा के कवि हैं—
(अ) छायावाद (ब) प्रगतिवाद
(स) नई कविता (द) राष्ट्रीय काव्यधारा।

94. 'वैदेही-वनवास' काव्यकृति है—
(अ) खण्डकाव्य (ब) मुक्तक काव्य
(स) महाकाव्य (द) चम्पूकाव्य।

95. रीतिमुक्त काव्य की रचना की है—
अथवा रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि हैं—
अथवा रीतिमुक्त कवि हैं—
(अ) घनानन्द (ब) सेनापति
(स) विहारी (द) वृन्द।

96. रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि हैं—
(अ) घनानन्द (ब) विहारी
(स) बोधा (द) आलम।

97. रीतिबद्ध काव्यधारा के कवि नहीं हैं—
(अ) जसवंत सिंह (ब) याकूब खाँ
(स) दलपतिराय वंशीधर (द) घनानन्द।

98. रीतिकाल की प्रमुख विशेषता है—
(अ) प्रकृति चित्रण (ब) ईश्वर वन्दना
(स) युद्धों का सजीव वर्णन (द) मुक्तक काव्य रचना।

99. रीतिकाल की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रवृत्ति है—
(अ) राज-प्रशस्ति (ब) शृंगारिकता
(स) रीति-निरूपणता (द) नीति।

100. निम्नलिखित में से किस काव्यकृति पर 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार नहीं मिला है—
(अ) चिदम्बरा (ब) कितनी नावों में कितनी बार
(स) उर्वशी (द) प्रियप्रवास।